

प्रेस विज्ञप्ति

गांधीवादी विचार एवं दर्शन पर जामिया और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय ने वेबिनार आयोजित किया

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का 150 वां जयंती वर्ष मनाने के अवसर पर, जामिया मिल्लिया इस्लामिया और ब्रिटेन के ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय ने आज साथ मिलकर 'गांधीवादी विचार और दर्शन' पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

इस वेबिनार के मुख्य अतिथि, केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने कहा, 'मैं जामिया को बधाई देना चाहता हूँ कि 1920 में उसकी स्थापना में पूरा सहयोग देने वाले महात्मा गांधी के सिद्धांतों का पालन करते हुए यह लगातार आगे बढ़ रहा है। गांधीजी ने इसकी स्थापना में अपना पूरा सहयोग दिया। उन्होंने विभिन्न शैक्षिक क्षेत्रों में जामिया के लगातार बेहतर प्रदर्शन करने का उल्लेख किया। उन्होंने अपने मंत्रालय द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षाओं और हेकाथॉन में जामिया के अच्छे प्रदर्शन का भी जिक्र किया।

माननीय मंत्री जी ने आगे कहा कि आज के मुश्किल दौर में पूरी दुनिया गांधीवादी दर्शन के महत्व और सत्य, प्रेम, विनम्रता और अहिंसा के उनके सिद्धांतों के महत्व को महसूस कर रही है।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करने वाली, जामिया की कुलपति प्रोफेसर नजमा अख्तर ने वेबिनार के मुख्य वक्ता और अन्य पैनलिस्टों का स्वागत किया। उन्होंने माननीय मंत्री को अपने अत्यंत व्यस्त कार्यक्रम से वेबिनार के लिए कुछ समय निकालने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने संक्षेप में महात्मा गांधी और जामिया के रिश्तों और वेबिनार के आयोजन के उद्देश्य के बारे में बताया।

जामिया के अंग्रेजी विभाग के प्रो मुकेश रंजन ने औपचारिक रूप से मुख्य वक्ता और अन्य पैनलिस्टों का परिचय कराया। उन्होंने कहा कि जामिया ने यूके, दक्षिण कोरिया, कनाडा, यूएसए, मैक्सिको, रूस, जर्मनी, फ्रांस, जॉर्डन, सऊदी अरब, फिलिस्तीन और अन्य संस्थानों के प्रतिभागियों को इस वेबिनार में आमंत्रित किया है।

ब्रिटेन के ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में इतिहास विभाग के प्रो फ़ैसल देवजी ने वेबिनार में मुख्य वक्ता के तौर पर 'जिआग्रफी ऑफ़ नाँन वाइलन्स' विषय पर अपने व्याख्यान में महात्मा गांधी की समकालीन प्रासंगिकता पर रोशनी डाली। उन्होंने इस बात को बताया कि गांधीजी के विचार और दर्शन हमारे नीति निर्माण और कार्यान्वयन के संदर्भ में, हमारी चेतना को कैसे जगाते करते हैं। उन्होंने बताया कि गांधीजी ने कैसे स्वयं, सत्य और अहिंसा के सिद्धांत निभाए हैं और कैसे ये सिद्धांत उनके संपूर्ण दर्शन को प्रभावित करते हैं। यह एक ऐसा दर्शन है, जो ब्रह्मांड को जैविक रूप में देखता है।

इस वेबिनार में गांधीवादी विद्वान और मेरठ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ रवींद्र कुमार ने भी हिस्सा लिया।

अहमद अज़ीम

जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक

